उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

2017-2018

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङमय,
Course Title :Vaidik Vangmay

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-01
Course Code : MAST-01

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्रवोचं यानि चकार प्रथमानि वज्री।
अहन्नहिमन्वपस्ततर्द प्र वक्षणा अभिनत्पर्वतानाम्।।

ख) अतिष्ठन्तीनामनिवेश्नानां
काष्ठानां मध्ये निहिंत शरीरम।
वृत्रस्यं निण्यं वि चरन्त्यार्यो
दीर्घं तम आशयदिन्द्रशत्रुः।।

अथवा

क) आ कृष्णेन रजेसा वर्तमानो
निवेशयेन्नमृतं मर्त्यं च।
हिरण्यर्येन सुविता रथेना
देवो याति भुवनानि पश्र्यन।।

ख) अभीवतं कृशनैर्विश्वरूपं हिरण्यशम्यं यजतो बृहन्तम्।
आस्थाद्रथं सविता चित्रभानुः कृष्णा रजांसि तविषीं दधानः।।

अथवा

क) अ्यमि्ह प्रमथो घायि धातभि
होता यजष्ठो अध्वरेष्वीडयः।
यमाप्नंवानो भृगंवोविरूरुचु
वर्नेषु चि्त्रं विभ्वे विशेविशे।।

ख) आ वो वहन्तु सप्तयो रघुष्यदो रघुपत्वानः प्र जिगात बाहुभिः।
सदिता बर्हिरुरु वः सदस्कृतं मादयहध्वं मरूतोमध्वो अन्धसः।।

प्रश्न–2 (i) वैदिक संहिताओं का सामान्य परिचय दीजिए। 6

अथवा

(ii) ऋग्वेद का सामान्य परिचय देते हुए ऋग्वेद के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) वेदों का सामन्य परिचय देते हुए वेदों के विभागों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 (i) 'इन्द्र सूक्त' का सारांश लिखिए। 6

अथवा

(ii) 'राष्ट्राभिवर्धन सूक्त' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

(iii) 'सवितृ सूक्त' का सारांश लिखिए।

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

Section – B
खण्ड ब

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 निम्नलिखित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए – 2

(i) हासमाने (ii) जवेते (iii) ब्रूहि (iv) दक्षिणा

अथवा

(i) सुभगाम् (ii) स्वस्तये (iii) अधीतम् (iv) वीर्यम्

अथवा

(i) जधान (ii) विवृश्चत् (iii) भुवत् (iv) अरोधम्

प्रश्न–5 केनोपनिषद् के अनुसार आत्मा की अज्ञेयता और अनिर्वचनीयता स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

उपनिषद् साहित्य में 'केनोपनिषद्' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

केनीपनिषद् में मुख्यतः किस विषय का प्रतिप्रादन किया गया है?उदाहरण सहित बताइए।

प्रश्न–6 निम्नलिखित मंत्रों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 2

नाहं मन्ये सुवेदेति नो न वेदेति वेद च।
ना नस्तद्वेद नो न वेदेति वेद च।।

अथवा

यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्।
तदेव ब्रह्मत्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।।

अथवा

यत्प्राणेन प्राणितो येन प्राणी प्रीणयते।
तदेव ब्रहम त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।।

प्रश्न–7 'निघण्टु' क्या है, स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

वैदिक वाड्.मय का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

वेदत्रयी का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न–8 वेदांगों में निरूक्त का स्थान बताइए। 2

अथवा

ऋग्वेद के रचना काल पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निरुक्त में कुल कितने काण्ड है तथा उनका विभाजन किस प्रकार किया गया है?

प्रश्न–9 ''समाम्नायः समाम्नातः । स व्याख्यातव्यः। तम् 2
इमं समाम्नायं निघण्टव इत्याचक्षते' – की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

अथवा

'नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति' – की व्याख्यान कीजिए।

अथवा

'भाव प्रधानमाख्यातं सत्व प्रधानानि नामानि' की व्याख्या।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

2017-2018

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : पालि, प्राकृत, अप्रभंश एवं भाषा विज्ञान
Course Title :Vaidik Vangmay

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-02
Course Code : MAST-02

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

(i) तस्मिं समये 'राहुलमाता पुत्तं विजाता' ति सुत्वा सुद्धोदन महाराज पुत्तस्स में तुट्ठिं निवेदेथा'ति सासनं पहिणि। बोधिसत्तो तं सुत्वा 'राहुलो जातो, बन्धनं जातं' ति आह। राजा' किं में पुत्तो अवचा' ति पुच्छित्वा तं वचनं सुत्वा ' इतो पट्ठाय में नत्तु राहुल कुमारो येव नामं होतू' ति । बोधिसत्तो ' पि खो रथवरं आरुऽह महन्तेन यसेन अतिमनोरमेन सिरिसोभग्गेन नगरं पाविसि।

अथवा

(ii) तदा किर कपिलवत्थुनगरे आसोल्हीनक्खत्तं घुट्ठं अहोसि। महाजनो नक्खत्तं कीलति। महामाया देवी पुरे पुण्णमाय सत्तमदिवसतो पट्ठाय विगतसुरापानं मालागन्धविधूतिसम्पन्नं नक्खत्तकीले अनुभवमाना सत्तमदिवसे पातो व उट्ठाय गन्धोदकेन नहायित्वा चत्तारि सतसहस्सानि विस्सेज्जेत्वा महादानं दत्वा सब्बालङ्.कार विभूषिता वरभोजनं भुञ्जित्वा ओसथङ्.गानि अधिट्ठाय अलङ्.कतपटियत्तं सिरिगब्भं पविसित्वासिरिसयने निपन्ना निद्दं ओक्कममाना इदं सुपिन अदस्स।

अथवा

(iii) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि – ''सिया खो पनानन्द, तुम्हाकं एवं अस्स 'अतीतसत्थुकं पावचनं। नत्थि नो सत्थ ति। न खो पने तं, आनन्द, एवं दट्ठब्बं। यो वो आनन्द, मया धम्मो च विनयो चव देत्यितो पञ्ञत्तो, सो वो ममच्चयेन सत्या। यथा खो पनानन्द, एतरहिभिक्खू अञ्ञमञ्ञं आबुसोवादेन समुदाचरन्ति, न वो ममच्चयेन एवं समुदायरितब्नं।

प्रश्न–2 निम्नांकित पद्य की संस्कृत छाया लिखिए – 6

(i) उअ णिच्चलणिप्पन्दा भिसिणीपत्तम्मि रेहइ बलाआ।
णिम्मलमरगअभाअण परिट्ठिआ संखसुत्ति ब्व।

अथवा

(ii) यथा पिभमरो पुप्फं वण्णगन्ध अहेठयं।
फलेति रसमादाय, एवं ग्रामे मुनी चरे।।

अथवा

(iii) एकं धम्मं अतीतस्स मुसावादिस्स जन्तुनो।

वितिण्णपरलोकस्स नत्थि पापं अकारियं।

प्रश्न–3 (i) भाषोत्पत्तिविषयक विविध सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

(ii) अपभ्रंश भाषा साहित्य पर समीक्षात्मक निबन्ध लिखिए।

अथवा

(iii) पालिभाषा के उद्‌भव और विकास को समझाते हुए उसकी विशेषताएँ

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12

MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 (i) प्राकृत साहित्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) प्राकृतभाषा की उत्पत्ति एवं विकास पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

अथवा

(iii) पद परिवर्तन के मुख्य कारणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–5 प्राकृत व्याकरण निम्नलिखित का सारांश लिखिए। 2

(i) बावरु जातक

अथवा

(ii) मायादेवियाः सुपिनं

अथवा

(iii) महाभि निक्खमनं

प्रश्न–6 (i) ध्वनि परिवर्तन के कारणों की विवेचना कीजिए। 2

अथवा

(ii) अर्थ परिवर्तन की दिशाओं की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

अथवा

(iii) पालि एवं अपभ्रंश में मूलभूत अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–7 अधोलिखित में से किन्हीं पर टिप्पणी लिखिए – 2

(i) ओक्कममाना, साणचिक्खिलम्

अथवा

(ii) प्रजापतिह्रदयं, दिसाकाकं

अथवा

(iii) अतीतसत्थुकं प्रवचनं, रागाग्नौ

प्रश्न–8 'गाहासत्तसई' का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

अथवा

'रावणवहो' के पठित अंश के सारांश लिखिए।

अथवा

'कर्पूरमञ्जरी' के आधार पर ग्रीष्म का निरुपण कीजिए।

प्रश्न–9 अपभ्रंश के मुक्तक काव्यों की विशेषताए बताइए। 2

अथवा

अपभ्रंश साहित्य के खण्ड काव्य का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

अपभ्रंश साहित्य के तद्धित एवं कृदन्त प्रत्यय बताइए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2017-2018
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : व्याकरण तथा अलंकार
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-03
Course Code : MAST-03

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) अलंकार किसे कहते हैं स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

(ii) अलंकार सम्प्रदायों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

(iii) काव्य में अलंकारों का स्थान है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–2 निम्नलिखित अलंकारों के सोदाहरण लक्षण स्पष्ट कीजिए – 6

(i) 1) यमक
2) उत्प्रेक्षा
3) विभावना
4) अर्थान्तरन्यास

अथवा

(ii) 1) उपमा
2) श्लेष
3) विशेषोक्ति
4) निदर्शना

अथवा

(iii) 1) अनुप्रास
2) अतिशयोक्ति
3) दीपक
4) रूपक

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 6

(i) रामान्, हरौ,

अथवा

(ii) नद्या:,भानो :

अथवा

(iii) रामौ, हरमे,

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 (i) बहुव्रीहि समास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

अथवा

(ii) द्वन्द समाज का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

(iii) कर्मधारय समाज का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो रूपों की सिद्धी कीजिए – 2

(i) पठन्ति, पठेत,

अथवा

(ii) गच्छ, अगच्छन्

अथवा

(iii) पठन्ति, पठेत

प्रश्न–6 अधोलिखित में से किसी एक अलंकार युग्म में भेद स्पष्ट कीजिए – 2

(i) 1) उपमा – उत्प्रेक्षा

2) रूपक – सन्देह

अथवा

(ii) 1) यमक – श्लेष

2) उपमा – रूपक

अथवा

(iii) 1) निदर्शना – दृष्टान्त

2) विभावना – विशेषोन्ति

प्रश्न–7 अधोलिखित के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2

(i) एधितव्यम् उष्णभोजी ,शुष्कः, हितम्

अथवा

(ii) कृति, पाकः, देयम, कर्ता

अथवा

(iii) भिन्नः, भिक्षाकः , स्तुतिः, पवित्रम्

प्रश्न–8 अधोलिखित में से किन्हीं चार के प्रकृति प्रत्यय बताइए – 2

(i) दैत्यः, शैवः, ग्रामता, दिव्यम्,

अथवा

(ii) राष्ट्रीय, सभ्यः, आदित्यः , वैनतेय : ,

अथवा

(ii) रैवतिकः , पाशुपतम् , पारीणः , कालिकम्

प्रश्न–9 (i) द्वन्द्व समास का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ii) बहुब्रीहि समास का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(iii) तत्पुरुष समाज का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2017-2018
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-04
Course Title : Kayya Shasttra — **Course Code:MAST-04(N)/07 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) आचार्य मम्मट के काव्य–प्रयोजन की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

अथवा

(ii) आचार्य मम्मट के काव्य–लक्षण की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

अथवा

(iii) आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित हेतु की विवेचना कीजिए।

प्रश्न–2 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए।

(i) 'नियतिकृतनियमरहितां हलादैकमयीमनन्यपरतन्त्राम्। 6
नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति ।।

अथवा

(ii) श्रृङ्.गारहास्य करुणरौद्रवीर भयानका :।
बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः ।।

अथवा

(iii) स्वसिद्धये पराक्षेपः परार्थं स्वसमर्पणम्।
उपादान लक्षणं चेत्युक्ता शुद्धैव सा द्विधा।।

प्रश्न–3(i) अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद के आधार पर रस की अलौकिकता सिद्ध कीजिए।

अथवा

(ii) लक्षणा तेन षड्विधा की व्याख्या कीजए।

अथवा

(iii) 'विभावानुभोवव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्ति : की व्याख्या कीजिए।

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 (i) मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य को स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ii) 'साक्षात्सङ्.तितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचक :' – को समझाइए।

अथवा

(iii) स्याद्वचको लाक्षणिकः शब्दोऽत्र व्यञजकत्रिधा।

प्रश्न–5 (i) 'मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्। अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया– की व्याख्या कीजिए। 2

अथवा

(ii) 'इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः' –इस कारिका की व्याख्या कीजिए। 2

अथवा

(iii) मम्मट द्वारा निर्दिष्ट 'विवक्षितान्यपरवाच्य ध्वनि' पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–6 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

(i) तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्

अथवा

(ii) नाभिधा समयाभावात्

अथवा

(iii) शब्दचित्रं वाच्यचित्रमण्यङ्.ग्यं त्ववरं स्मृतम्।

प्रश्न–7 निम्नलिखित की संक्षिप्त विवेचना कीजिए। 2

(i) भट्टलोल्लट का उत्पत्तिवाद

अथवा

(ii) शंकुक का अनुमितिवाद

अथवा

(iii) भट्टनायक का मुक्तिवाद

प्रश्न–8 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

(i) विवक्षितं चान्यपरं वाच्यं यत्रापरस्तु सः।

अथवा

(ii) कोऽप्यलक्ष्यक्रमण्यङ्.ग्यो लक्ष्यण्यङ्.ग्यक्रमः परः।

अथवा

(iii) स मुख्योऽर्थस्तत्र मुख्यो व्यापारोऽस्याभिधोच्यते।

प्रश्न–9 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

(i) रसभावतदाभासभावशान्त्यादिरक्रमः।
भिन्नो रसाद्यलङ.ाकरादलङ.ाकर्यतया स्थितः।।

अथवा

(ii) मुख्यार्थबोधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात् ।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया।।

अथवा

(ii) यस्य प्रतीतिमाधातु लक्षणा समुपास्यते।
फले शब्दैकगम्येऽत्र व्यञ्जनान्नापरा क्रिया।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2017-201
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : नाटक एवं नाट्य शास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-05
Course Title : — **Course Code:MAST-05(N)/08 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) वेणीसंहार नाटक की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा कीजिए। 6
अथवा
(iii) वेणीसंहार नाटक के नायकत्व पर प्रकाश डालिए।
अथवा
(iii) भट्ट नारायण के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न–2 (i) 'रत्नावली एक नाटिका है' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6
अथवा
(ii) रत्नावली नाटिका के आधार पर श्री हर्ष की नाट्य शैली का वर्णन कीजिए।
अथवा
(iii) रत्नावली नाटिका की नायिका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न–3 (i) अर्थप्रकृति का लक्षण करते हुए इसे भेदों का विवेचन कीजिए। 6
अथवा
(ii) नाटक के प्रमुख नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का वर्णन कीजिए।
अथवा
(iii) दशरुपक के आधार पर नायक का लक्षण एवं उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 (i) 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' की व्याख्या कीजिए। 2
अथवा
(ii) अर्थोपक्षेपेकै। सूच्यं पञ्चभिः प्रतिपादयेत्। 2
विश्कम्भ की चूलिंकाड.कास्याङ्.कावतारप्रवेश्यंकैः ।।
अथवा
(ii) सन्धियों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–5 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए 2
(i) अवस्थाएँ रंगमंच, विष्कम्भक
अथवा

(ii) कथावस्तु, विदूषक, आमुख

अथवा

(iii) अंक, नान्दी, सूत्रधार

प्रश्न–6 (i) उदयन का चरित्र–चित्रण कीजिये। 2

अथवा

(ii) वेणीसंहार के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

(iii) वेणीसंहार के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

(i) राज्यं निर्जितशत्रु योग्यसचिवे न्यस्तः समस्तो भरः
सम्यक्पालनलालिताः प्रशमिताशेषोपसर्गाः प्रजाः।
प्रद्योतस्य सुता वसन्तसमयस्त्वं चेति नाम्ना धृतिं,
कामः काममुपैत्वयं मम पुनर्मन्ये महानुत्स्वः।।

अथवा

(ii) प्रत्यग्रमज्जन विशेष विविक्तकान्तिः
कौसुम्भरागरु चिरस्फुरदंशुकान्ता।
विभ्राजसे मकरकेतनमर्चयन्ती
बालप्रवालविटपिप्रभवा लतेव।।

अथवा

(iii) स्रस्तः स्रग्दामशोभां त्यजति विरचितामाकुलः केशपाश :
क्षीबाया नूपुरौ च द्विगुणतरमिमौ क्रन्दतः पादलग्नौ।
व्यस्त : कम्पानुबन्धादनवरतमुरो हन्ति हारोऽयमस्या :
क्रीडन्त्याः पीडयेव स्तनभरविनमन्मध्यभङंगनपेक्षम्।।

प्रश्न–8 (i) वेणीसंहार नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) रत्नावली वाटिका की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) रत्नावली नाटिका के मूल आधार पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–9 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

(i) प्रवृद्धं यद्वैरं मम खलु शिशोरेव कुरुभि
र्न जत्रार्यो हेतुर्न भवति किरीटी न च युवाम्।
जरासन्धस्योरःस्थलमिव विरूढं पुनरपि
क्रुधा सन्धि भीमो विघटयति यूयं घटयत।।

अथवा

(ii) मथ्नामि कौरवशतं समरे न कोपाद
दुःशासनस्य रुधिरं न पिताम्युरस्तः।
संचूर्णयामि गदया न सुयोधनोरू
सन्धिं करोतु भवतां नृपतिः पणेन।।

अथवा

(iii) आत्मारामा विहितरतयो निर्विकल्पे समाधौ
ज्ञानोत्सेका द्विघटिततमोग्रन्थयः सत्त्वनिष्ठाः।
यं वीक्षन्ते कमपि तममां ज्योतिषां वा परस्तात्
तं मोहान्धः कथमयममुं वेत्तु देवं पुराणम्।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

2017-2018

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : दर्शन — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-06
Course Title : — **Course Code:MAST-06(N)/04 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित कारिकाओं में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए – 6

(i) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
दुष्टे साऽपार्था चेनैकान्तात्यन्ततोऽभावात्।।

अथवा

(ii) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः।।

अथवा

(iii) असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्।
शक्तस्य शक्यकरणात् कारणभावाच्च सत्कार्यम्।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्।

अथवा

(ii) लिङ्.गपरामर्शोऽनुमानम्।

अथवा

(iii) तच्च कारणं त्रिविधम्। समवायि– असमवायि– निमित्तभेदात्।

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) विषयो जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्,
तत्रैव वेदान्तानां तात्पर्यात्।

अथवा

(ii) तत्रानुबन्धो नामाधिकारिविषयसम्बन्ध प्रयोजनानि

अथवा

(iii) अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकमस्ति शक्तिद्वयम्।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 (i) 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' की व्याख्या कीजिए। 2

अथवा

(ii) 'अष्टांगयोग' से क्या समझते हैं?

अथवा

(iii) सम्प्रज्ञात और सम्प्रज्ञात समाधि क्या है– प्रकाश डालिए।

प्रश्न–5 (i) तर्कभाषा के अनुसार षोढासन्निकर्षों का निरूपण कीजिए। 2

अथवा

(ii) हेत्वाभासों का सोदाहरण प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

(iii) असमवायिकारण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 (i) सांख्य दर्शन के प्रमुख तत्त्वों पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) 'त्रिगुण' क्या है ? स्वभाव, प्रयोजन, कार्य आदि पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) टिपण्णी लिखिए
1) असदकारणात् 2) सर्वसभ्भावात

प्रश्न–7(i) न्याय दर्शन के प्रमुख आचार्यों का संक्षिप्त परिचय कीजिए। 2

अथवा

(ii) वेदान्तसार के अनुसार 'तत्त्वमसि' महावाक्य द्वारा अखण्डार्थाव बोध की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(iii) अद्वैत वेदान्त के अनुसार 'मोक्ष' का अर्थ समझाइए।

प्रश्न–8 (i) 'प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दाः प्रमाणानि' – इसकी संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

अथवा

(ii) वेदान्तसार के अनुसार अधिकार का लक्षण बताइए।

अथवा

(iii) वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–9 निम्नलिखित में से किसी दो पर टिप्पणी लिखिए। 2

(i) दुःख के प्रकार कैवल्य

अथवा

(ii) अकर्तृभाव साक्षित्व

अथवा

(iii) त्रिविध प्रमाण प्रकृति–पुरूष संयोग

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2017-2018

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : मृच्छकटिकम् (नाटक) — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-07
Course Title : — **Course Code: MAST-07(N)/05 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

i. क) सड.गनैव हि कश्चिदस्य कुरुते संभाषते
नादरात् संप्राप्तो गृहमुत्सवेषु धनिनां सावज्ञमालोक्यते
दूरादेव महाजनस्य विहरत्यल्पच्छदो
लज्जया मन्य निर्धनता प्रकाममपरंषष्ठं महापातकम्।

ख) दीनानां कल्पवृक्षः स्वगुणफलनतः सज्जनानां
कुटुम्बी आदर्शः शिक्षितानां सचरितनिकषः शीलवेलासमुद्रः।
सत्कर्ता नावमन्ता पुरूषगुणनिधिर्दक्षिणोदारसत्त्वो
ह्येकः श्लाध्यः स जीवत्यधिक
गुणतया चोच्छवसनतीव चान्ये।।

अथवा

ii. क) सदा प्रदोषो मम याति जाग्रतः
सदा च में निश्वसतो गता निशा।
त्वया समेतस्य विशाललोचने
ममाद्य शोकान्तरः प्रदीपकः।।

ख) दारिद्रयात्पुरूपषस्य बान्धवजनो वाक्ये न संतिष्ठते
सुस्निग्धा विमुखीभवन्ति सुहृद : स्फारीभवन्त्यापदः।
सत्त्वं ह्रासमुपैति शीलराशिन : कान्ति : परिम्लायते
पापं कर्म च यत्परैरपि कृतं तत्तस्य संभाण्यते।।

अथवा

iii. क) मार्जार : क्रमणो मृगः प्रसरणे श्येनो ग्रहालुचने
सुप्रासुप्त मनुष्य वीर्य तुलने श्वा सपणे पन्नग :।
माया रूपशरीर वेशरचने वाग्देशभाषान्तरे
दीपो रात्रिषु संकटेषु डुडुमो वाजी स्थले नौर्जले।।

ख) वस्त्वन्तराणि सदृशानि भवन्ति नूनं
रूपस्य भूषणगुणस्य च कृत्रिमस्य।
दृष्ट्वा क्रियामनुकरोति हि शिल्पिवर्ग :
सादृश्यमेव कृतहस्ततया च दृष्ट्म् ।।

प्रश्न–2 (i) 'मृच्छकटिकम्' नाटक है या प्रकरण सिद्ध कीजिए। 6

अथवा

(ii) मृच्छकटिक नाटक के नाम की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अथवा

(iii) मृच्छकटिककालीन संस्कृति पर प्रकाश डालिए। 6

प्रश्न–3 (i) चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

(ii) बसन्तसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

(iii) धूता का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न– 4(i) मृच्छकटिक की कथावस्तु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा

(ii) मृच्छकटिक की कथावस्तु के आधार पर रसों का निरूपण कीजिए।

अथवा

(iii) नाटकीय तत्वों के आलोक में मृच्छकटिक की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–5 (i) मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक की शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(ii) मृच्छकटिक के आधार पर शूद्रक का काल निर्धारण कीजिए। 2

अथवा

(iii) मृच्छकटिक के आधार पर सिद्ध कीजिए कि महाकवि शूद्रक नाट्यकला में प्रवीण होने के साथ ही कथा संयोजन में भी अद्वितीय है।

प्रश्न–6 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(i) एतैरार्द्रतमालपत्रमलिनैरापीतसूर्य नभो
वल्मीका : शरताडिता इव गजा : सदिन्तिधाराहता :।
विद्युत्काञ्चनदीपिकेव रचिता प्रासादसंचारिणी
ज्योत्स्ना दुर्बलभर्तृकेव वनिता प्रोत्सार्य मेधैर्द्धता।।

अथवा

(ii) धन्नं दोषमुदाहरन्ति कुपिता न्यायेन दूरीकृता :
स्वान्दोषान् कथयन्ति नाधिकरणे सन्तोऽपि नष्टा ध्रुवम्।
ये पक्षापरपक्ष दोष सहिताः पापानि संकुर्वते
संक्षेपादपवाद एवं सुलभों द्रष्टुर्गुणों दूरतः।

अथवा

(iii) नो मुष्णाम्यबलां विभूषणवतीं फुल्लामिवाहं लतां
विप्रस्वं न हरामि काज्चमथो यथार्थमभ्युद्घृतम्।
धात्र्युत्सङ्गतं हरामि न तथा बालं धनाथीं क्वचि
त्कार्याकार्य विचारिणी न तथा बालं धनाथीं क्वचि
त्कार्याकार्य विचारिणी मम मतिश्चौर्येऽपि नित्यं स्थिता।।

प्रश्न–7 (i) गुणों के आधार पर चारूदत्त किस कोटि का नाटक है,लक्षण सहित बताइए।

अथवा

(ii) बसन्तसेना किस कोटि की नायिका है?

अथवा

(iii) रूपकों के प्रकार लक्षण सहित बताइए।

प्रश्न–8 (i) मृच्छकटिक का कौन सा अंक सर्वश्रेष्ठ है।

अथवा

(ii) मृच्छकटिक के प्रथम अंक का सारांश लिखिए।

अथवा

(iii) मृच्छकटिक के आधार पर द्ररिद्रता का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–9 निम्नलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(i) असत्पुरूष से वेव दृष्टि विफलतां गता।

अथवा

(ii) धिगस्तु खलु दारिद्रयमनिर्वेदिपौरूषम्।

अथवा

(iii) शन्यैर्गृहैः खलु समाः पुरूषा दरिद्रा :

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

2017-2018

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : काव्य
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-08(N)/06 (O)
Course Code: 08(N)/06 (O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित गाद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 6

(i) यावदेष ब्रह्मचारी बटुरलिपुञ्जमुद्धूय कुसुमकोरकानवाचिनोति, तावत् तस्यैवं सतीक्ष्र्योऽपरस्तत्समानवयाः कस्तुरिका– रेणु– रुषित इव श्यामः, चन्दनचर्चित– भालः, कर्पूरागुरु– क्षोदच्छुरित– वक्षो– बाहुदण्डः, सुगन्धपटलैरुन्निद्रयन्निव निद्रा– मन्थराणि कोरकनिकुरम्बकान्त रा लसुप्तानि मिलिन्द–वृन्दानि झटिति समुपसृत्य निवारयन् गौरबटुमेवमवादीत्।

अथवा

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान्कन्दरः तस्मिन्नेव महामनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिभङ्.गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

अथवा

(iii) अरूण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिश :, दीपको, ब्रह्माण्डभाण्डस्य, पयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोक : कोकलोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधार : सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य। अयमेव अहोराजं जनयति अयमेव वत्सरं द्वादषसु भागेषु विभनक्ति कारणं षण्णामृतूनाम, एष एवङ्.गी करोति उत्तर दक्षिणं चयनम्।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

(i) कुण्ठत्वमायाति गुणः कवीनां साहित्य विद्याश्रमवर्जितेषु।
कुर्यादनार्देषु किमङ्.गनानां केशेषु कृष्णागुरुधूपवासः।।

अथवा

(ii) अगाधपानीयनिमग्नभूरि भूभृत्कुटुम्बोऽपि यदीयखड्गः।
भाग्यक्षयान्मालवभर्तुरासीदेएकां न धारां परिहर्तुमीशः।।

अथवा

(iii) कथासु ये लब्धरसा : कवीनां,
ते नानुरज्यन्ति कथान्तरेषु।
न ग्रन्थिपर्णप्रणयाश्चरन्ति,

कस्तूरिकागन्धमृगास्तृणेषु

प्रश्न–3 निम्नलिखि श्लोक की हिन्दी में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः
फुरत्प्रतापानलधूममञ्जिम।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ
दधाति पङ्कीभवदङ्कतां विधौ।

अथवा

विभजय मेरुर्न यदर्थिसात्कृतो
न सिन्धुरुत्सर्गजलव्ययैर्मरुः।
अमानि तत्तेन निजायशोयुगं
द्विफालबद्धाश्चिकुराः शिरस्थितम्।

अथवा

यथोह्यमानः खलु भोगभोजिना
प्रसह्य वैरोचनिजस्य पत्तनम्।
विदर्भजाया मदनस्तथा मनो
ऽनलावरूद्ध वयसैव वेशित :।

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 (i) नैषधीयचरित के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए। 2

अथवा

(ii) 'नवर्स्णगते माधे नवशब्दों न विद्यते' – की समीक्षा कीजिए।

अथवा

(iii) नैषधीयमचरितम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए। 2

प्रश्न–5 निम्नलिखित श्लोक का अनुवाद कीजिए– 2

(i) उल्लेखलीलाघटनापटूनां सचेतसां वैकटिको पमानाम्।
विचार शाणोपलपट्टिकासु मत्सूक्तिरत्नान्यतिधीभवन्तु।।

अथवा

(ii) अनभ्रवृष्टि : श्रवणामृतस्य सरस्वतीविभ्रमजन्मभूमिः।
वैदर्भरीति : कृतिनामुदति सौभाग्यलाभप्रतिभूः पदानाम्।।

अथवा

(iii) विधाय रूपं मशकप्रणामं भयेन कोणे क्वचन स्थितस्य।
कलेरिवोत्सारणकरणेन यो यागधूमैभुर्वनं रूरोध।।

प्रश्न–6 निम्नलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए–

(i) अदृष्टमप्यर्थमदृष्ट वैभवात्करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम्।

अथवा

(ii) क्व भोगमारनोति न भोगभग्जनः

अथवा

(iii) स्मरः स रत्यामनिरूद्धमेव यत्सृजत्ययं सर्गनिसर्ग ईदृशः।

प्रश्न–7 (i) शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिए। 2

अथवा

(ii) शिवराजविजय की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) संस्कृत गद्य साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–8 (i) विक्रमांकदेव चरितम् के आधार पर विल्हण की काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) विक्रमांकदेव चरित के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

(iii) विल्हण की काव्य शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–9 (i) शिवराजविजय की कथा–वस्तु को सारांश में लिखिए। **2**

अथवा

(ii) विक्रमांकदेवचरित के नायक पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) गद्य साहित्य में शिवराजविजय का स्थान निर्धारित कीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

2017-2018

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध
Course Title :

विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject Code : MAST
कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-09
Course Code : MAST-09

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंक:18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) 'यदिहस्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्' कथन की व्याख्या कीजिए। 6

अथवा

(ii) महाभारत तथा रामायण में वर्णित सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

(iii) महाभारत के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–2 (i) 'रामायण आदिकाव्य है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

(ii) वाल्मीकि की शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) रामायण के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 (i) संस्कृत गद्य काव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

(ii) महाकाव्य का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(iii) संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंक:12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 (i) भारवि के जीवन परिचय पर एक लेख लिखिए। 2

अथवा

(ii) भारवि एवं माघ के काव्य की तुलना कीजिए।

अथवा

(iii) 'नारिकेलफलसम्मितं बचो भारवेः' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–5 (i) श्री हर्ष की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 2

अथवा

(ii) 'माघे सन्ति त्रयो गुणा' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

अथवा

(iii) 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–6 (i) नाट्य भेदों के भेदक तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ii) संस्कृत कथा की उत्पत्ति पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) श्री हर्ष के काल एवं जीवनवृत्त पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–7 (i) चम्पूकाव्य के उद्‌भव एवं विकास पर लेख लिखिए। 2

अथवा

(ii) नलचम्पू काव्य की विशेषता बताइए।

अथवा

(iii) हितोपवेश की विषय –वस्तु पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–8 अधोलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 4

(i) क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
ख) उपमा कालिदासस्य

अथवा

(ii) क) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्
ख) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

अथवा

(iii) क) वेदानां महत्त्वम्
ख) अहिसापरमो धर्मः

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2017-2018
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : शोध–प्रविध — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-10
Course Title : — **Course Code : MAST-10**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 (i) संस्कृत समीक्षाशास्त्र में शोध का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

(ii) शोध की योग्यता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) शोध प्रबन्ध एवं शोध पत्र लेखन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–2 (i) शोध सामग्री संकलन की प्रक्रिया को समझाइए। 6

अथवा

(ii) अनुसंधान के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) शोध प्रविधि की विभिन्न पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 (i) ग्रन्थ सम्पादन एवं उसके सहायक अंगो पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

(ii) पाण्डुलिपि के स्रोत पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) अनुसंधान को अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 (i) शोध प्रबन्ध के मुख्य घटक को स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

(ii) अनुसन्धान के प्रकार क्या–क्या है। संक्षेप में बताइए।

अथवा

(iii) शोध विषय का चयन एवं उसके शीर्षक निर्धारण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–5 (i) पादटिप्पणी एवं उद्धरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिए 2

अथवा

(ii) रिसर्च तकनीक का संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए।

अथवा

(iii) शोध एवं ज्ञानार्जन की योग्यता पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

प्रश्न–6 (i) अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) अनुसंधान के क्षेत्र पर प्रकाश डालिए

अथवा

(iii) अध्ययन के उद्देश्य के आधार पर अनुसन्धान संरचना के प्रकार बताइए।

प्रश्न–7 (i) सम्पादन के सहायक अंगों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

अथवा

(ii) समीक्षात्मक व्याख्या पद्धति पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

अथवा

(iii) ग्रंथ समीक्षा का स्वरूप बताइए।

प्रश्न–8 (i) ग्रंथ के प्रकारों को बताइए। 2

अथवा

(ii) कम्प्यूटर पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

अथवा

(iii) आधुनिक शोध कार्य में संगणक की भूमिका बताइए।